॥ श्रीबालाम्बिका दशकम् ॥

वेलातिलंघ्यकरुणे विबुधेन्द्रवन्द्ये
लीलाविनिर्मितचराचरहृन्निवासे ।
मालाकिरीटमणिकुण्डलमण्डिताङ्गे
बालाम्बिके मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥१ ॥

कञ्जासनादिमणिमञ्जुकिरीटकोटि
प्रत्युप्त रत्न रुचिराञ्चितपादपद्मे ।
मञ्जीरमञ्जुलविनिर्जितहंसनादे
बालाम्बिके मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥२ ॥

प्रालेयभानुकलिकाकलितातिरम्ये
पादाग्रजावलिविनिर्जितमौक्तिकाभे ।
प्राणेश्वरि प्रमथलोकपतेः प्रगल्भे
बालाम्बिके मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥३ ॥

जंघादिभिर्विजितचित्तजतूणिभागे
रम्भादिमार्दवकरीन्द्रकरोरुयुग्मे ।

शम्पाशताधिकसमुज्ज्वलचेललीले
बालाम्बिके मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥४ ॥

माणिक्यमौक्तिकविनिर्मितमेखलाढये
मायाविलग्नविलसन्मणिपट्टबन्धे ।
लोलम्बराजिविलसन्नवरोमजाले
बालाम्बिके मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥५ ॥

न्यग्रोधपल्लवतलोदरनिम्ननाभे
निर्धूतहारविलसत्कुचचक्रवाके ।
निष्कादिमञ्जुमणिभूषणभूषिताङ्गे
बालाम्बिके मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥६ ॥

कन्दर्पचापमदभङ्गकृतातिरम्ये
भ्रूवल्लरीविविधचेष्टितरम्यमाने ।
कन्दर्पसोदरसमाकृतिफालदेशे
बालाम्बिके मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥७ ॥

मुक्तावलीविलसदूर्जितकम्बुकण्ठे

मन्दस्मिताननविनिर्जितचन्द्रबिम्बे ।

भक्तेष्टदाननिरतामृतपूर्णदृष्टे

बालाम्बिके मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥८ ॥

कर्णाविलम्बिमणिकुण्डलगण्डभागे

कर्णान्तदीर्घनवनीरजपत्रनेत्रे ।

स्वर्णायकादिगुणमौक्तिकशोभिनासे

बालाम्बिके मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥९ ॥

लोलम्बराजिललितालकजालशोभे

मल्लीनवीनकलिकानवकुन्दजाले ।

बालेन्दुमञ्जुलकिरीटविराजमाने

बालाम्बिके मयि निधेहि कृपाकटाक्षम् ॥१० ॥

बालाम्बिके महाराज्ञि वैद्यनाथप्रियेश्वरि ।

पाहि मामम्ब कृपया त्वत्पादं शरणं गतः ॥

Sri Kamakoti Mandali [srigurupaduka@yahoo.com]